मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 27 फरवरी 2018

छात्रों की रोज़गार क्षमता बढ़ाने पर जेएमआई में उद्योग से जुड़े लोगों के साथ परामर्श वर्कशॉप

लगातार बदलती तकनीक और हालात के मद्देनज़र छात्रों के रोज़गार के अवसर बढ़ाने के उपायों पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आज बड़े औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों के साथ दो दिवसीय '' परामर्श वर्कशॉप '' शुरू हुई।

इसमें लोगों ने विचार रखे कि दुनिया अब बहुत तेज़ी से बदल रही है। हर पांच साल में पुरानी तकनीक की जगह नयी तकनीक आ जाती है। इसकी वजह से रोज़गार के स्वरूपों में लगातार बदलाव होता रहता है। ऐसे में समय के साथ कदम बढ़ाते हुए छात्रों को भावी रोज़गार के लिए तैयार और प्रशिक्षित करना बहुत ज़रूरी हो गया है।

इस कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने कहा कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया का नाम सुन कर कई लोगों को लगता है कि यह कोई मदरसे जैसी शिक्षा संस्था है जबकि यह आधुनिक शिक्षा देने वाला विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि जेएमआई को बनाने में महात्मा गांधी का बड़ा हाथ रहा है और राष्ट्रपिता का सबसे अधिक ज़ोर रोज़गार परक शिक्षा पर था।

प्रो अहमद ने यह रोचक तथ्य भी बताया कि पहले जेएमआई का नामकरण केवल जामिया मिल्लिया : राष्ट्रीय विश्वविद्यालयः किया गया था लेकिन महात्मा गांधी ने इसमें इस्लामिया शब्द जोड़ने पर ज़ोर दिया, क्योंकि उनका मानना था कि मुसलमान शिक्षा में पिछड़ गए हैं और उन्हें फिर से मुख्यधारा में लाने के लिए इस शैक्षणिक संस्था की ओर आकर्षित करना ज़रूरी है।

जेएमआई के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट आफिसर प्रो रेहान खान सुरी ने बताया कि जामिया के छात्रों को नौकरी में अच्छा प्लेसमेंट मिलता है जिसे और बढ़ाने के लिए यह विश्वविद्यालय प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भविष्य में नौकरियों के बदलते स्वरूप की चुनौतियों का सामना करने के लिए यह वर्कशॉप जरूरी है। उन्होंने एक अध्ययन का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष

2020 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में पांच करोड़ साठ लाख कुशल रोज़गार कर्मियों की कमी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में अपनी '' आबादी का लाभ '' उठा सकता है। भारत अपने यहां ही नहीं बल्कि दुनिया भर में उत्पादन की संभावनाओं को बढ़ा सकता है और दुनिया में कुशल मानवशक्ति की कमी को दूर सकता है।

इस दो दिवसीय वर्कशॉप में तोशीबा, टाटा, नोकिया, एल एंड टी, वाल्टर थामसन, एचएफसीएल और एक्सिस बैंक आदि 25 कंपनियों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर

PROF TALAT AHMAD
PROF Z A JAFFERY
Training & Placement Officer, Jamia

SANJAY KUMAR
Finance Officer, Jamia Millia Islamia